उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर (छ.ग.)

पंचम प्रश्न पत्र

विद्यालय, संस्कृति, प्रबन्ध एवं शिक्षक

(School Culture, Management and Teacher)

UNIT- 5

शिक्षक की जवाबदेही

(Teacher's Accountability)

Dr. Ajita Mishra

Assistant Professor

स्कूल शिक्षा में जवाबदेही
Accountability in School Education

अध्ययन के उद्देश्य

- प्रशिक्षार्थी श्रेष्ठ ढंग से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।
- अपनी पहलशीलता को पहचानने में मदद मिलेगी।
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की कामियों को दूर कर सकने में समर्थ होंगे।
- आज्ञाकारिता व समयबद्धता के प्रति सजग होंगे।
- व्यवसाय संबंधी उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर पायेंगे।
- शिक्षक/प्रशिक्षार्थी अपने कार्य का अधिक कुशलता से संचालन कर सकेंगे जो विद्यार्थियों के चारित्रिक विकास में सहायक होगा।

प्रस्तावना (Introduction)

- Accountability means holding everyone with responsbilities to high standards of performance.
- मनुष्य अपने संपूर्ण जीवन में जो कार्य करता है उसके प्रति जवाबदेह होता है। विद्यालय का संचालन नियमबद्ध एवं सुव्यवस्थित करने के लिए नियमावली बनायी जाती है जिसमें विद्यालय में कार्यरत सभी कर्मचारी, शिक्षकों, प्रधानाध्यापक के कर्त्तव्य कर्म तथा उत्तरदायित्व का निर्धारण होता है। उत्तरदायित्व निभाने के बदले उनकी योग्यता व कार्यक्षमता के अनुरूप पारिश्रमिक प्रदान किया जाता है। शिक्षक अपना कार्य संपादन व कर्त्तव्यों का पालन किस स्तर तक कर रहा है इसका लेखा–जोखा जब प्राप्त किया जाता है तो इसे विद्यालय में जवाबदेही के नाम से संबोधित करते हैं।

ज्वाबदेही (Accountability)	अंतर	उत्तरदायित्व (Responsibility)
1. औपचारिक स्थिति व कानूनी बाध्यता शामिल है।		1. इसे मुख्यतः व्यक्तिगत, नैतिक तथा कर्त्तव्य बोध से युक्त माना जाता है।
• 2. ऐसा जिम्मेदार जिससे किसी मुद्दे, कार्य या बात के प्रति जवाब व हिसाब किताब मांगा जा सके।		• 2. संस्था में कार्यरत व्यक्तियों का जनसामान्य के आकांक्षाओं के प्रति कर्त्तव्य बोध।
• 3. कानून, नियम व संस्था की औपचारिक स्थिति के अनुरूप कर्त्तव्य कर्मका लेखा जोखा।		• 3. यह नैतिक गुण है इसमें औपचारिक स्थिति का होना आवश्यक नहीं है।
• 4. यह उत्तरदायित्व लागू करने की विशिष्ट विधि है।		• 4. इसका संबंध स्व चेतना व अंतःकरण से होता है।
5. जवाबदेही एक बाहरी एवं वस्तुनिष्ट स्थिति है जो संगठनात्मक नियमों पर निर्भर करता है।		5सामान्यतः दोनों समनार्थी माना जाता है लेकिन दोनों में मूलभूत अंतर है।

स्कूल शिक्षा में जवाबदेही से संबंधित वर्ग

- 1. शिक्षा आयोग तथा समितियाँ (समीक्षा करने तथा संस्तुतियाँ देने वाले)
- 2. शिक्षा विद् तथा अन्य (उपरोक्त संस्तुतियों की समीक्षा करने वाले)
- 3. राष्ट्रीय तथा राज्यीय शिक्षा नीति बनाने वाले।
- 4. संसद के सदस्य (शिक्षा नीति को मंजूरी देने वाले)
- 5. उच्च शिक्षा अधिकारी (शिक्षा सचिव तथा शिक्षा निर्देशक)
- 6. शिक्षा के विभिन्न पक्षों को देखने वाले
- जैसे– पाठ्यक्रम निर्माण करने वाले

स्कूल शिक्षा में जवाबदेही से संबंधित वर्ग

7. राज्य शिक्षा संस्थान
8. शिक्षा निरीक्षक
9. विद्यालय की प्रबंध समितियाँ
10. शिक्षा / परीक्षा बोर्ड (परीक्षा लेने वाले)
11. अध्यापकों को प्रशिक्षण देने वाले
12. अध्यापक
13. अभिभावक
14. छात्र

ज्वाबदेही के विचारणीय प्रश्न

- ज्वाबदेही क्यों ?
- ज्वाबदेही किस बात की?
- ज्वाबदेही किसकी?
- ज्वाबदेही लेने वाला कौन?
- ज्वाबदेही का आधार क्या है?
- ज्वाबदेही प्रक्रिया का परिणाम क्या होता है?
- ज्वाबदेही का अनुवर्ती कार्य क्या है?

जवाबदेही का महत्व

- शिक्षा का मानव जीवन में अतिशय महत्व है चूंकि शिक्षा मानव का अभिन्न अंग है। जवाबदेही की समस्या बड़ी जटिल, कठिन तथा संवेदनशील है। जवाबदेही के बिना अराजकता की सम्भावना बनी रहती है। वर्तमान में इसकी अवहेलना की जा रही है। इसके अभाव में भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद, निष्क्रियता तथा अनुशासनहीनता का माहौल बनता जा रहा है, सामाजिक उत्थान व देश की प्रगति का विकास के लिए इस पर नियंत्रण आवश्यक है।
- कार्य के प्रति समर्पण की भावना
- 'अवहेलना करने की आदत से मुक्ति
- आज्ञाकारिता व समयबद्धता जैसे मूल्यों का विकास पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता रहती है।
- टंराजकता समाप्त करने में मदद मिलती है।
- सभी को अपने कर्त्तव्य कर्म का बोध होता है।
- ज्वाबदेही से अधिकार बोध, योजनाओं की यथोचित जानकारी तथा सहयोगी प्रवृत्ति से कार्य पूरा करने की भावना व प्रतिस्पर्धा का माहौल बनता है।
- भ्रष्टाचार व अपराध पर अंकुश
- निष्क्रियता व अनुशासनहीनता का समापन।

शिक्षक की जवाबदेही (विद्यालय शिक्षा के संदर्भ में)

- प्रभावपूर्ण शिक्षण–अधिगम व्यवस्था
- पाठ्यचर्या का निर्माण विकास व संचालन
- पाठ्यसहगामी क्रियाकलाप
- क्षागत परिवेश
- चरित्रिक, नैतिक व सामाजिक मूल्यों का विकास
- व्यक्तिगत भिन्नता का ध्यान
- कागजों व अभिलेखों का रखरखाव
- निर्देशन व परामर्श
- गृहकार्य मूल्यांकन

शिक्षक की जवाबदेही (विद्यालय शिक्षा के संदर्भ में)

- समुदाय से सहयोग
- कानूनी जानकारी
- परीक्षा में सहभागिता
- ब्लू प्रिंट व Loss के आधार पर प्रश्न पत्र निर्माण व मूल्यांकन में सहयोग।
- समयबद्धता व अनुशासन
- अवकाश काल का सदुपयोग
- साहित्यिक वैज्ञानिक अभिरुचि
- परीक्षा परिणाम व छात्र उपलब्धि

जवाबदेही मापन की विधियाँ

- वैसे तो जवाबदेही का मापन अवलोकन परीक्षण (साक्षात्कार) (Observation) परीक्षण (Test) साक्षात्कार प्रश्नावली (Questionnaire), अनुसूची (Schedule) व निर्धारण मापनी (Rating Scale) आदि हैं।
- **1. निरीक्षकों द्वारा–** कक्षा के भौतिक वातावरण व स्थिति, अध्यापक की वेशभूषा, व्यवहार, व्यक्तित्व, अनुशासन, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, सहायक सामग्री का प्रयोग आदि सम्मिलित है।
- ' अध्यापक का स्वयं मूल्यांकन
- ' समुदाय रेटिंग
- ' छात्रों द्वारा रेटिंग
- ' समकक्ष अध्यापकों द्वारा रेटिंग
- **' प्रधानाचार्य द्वारा रेटिंग**
- r future.

निष्कर्ष (Conclusion)

- स्कूल शिक्षा में कई वर्गों की जवाबदेही होती है, परन्तु शिक्षकों तथा प्रधानाचार्यों को छोड़कर अन्य ढंग से मुक्त रहते हैं। गुणवत्ता युक्त शैक्षिक प्रबन्धन के लिए शिक्षकों की जवाबदेही अवश्य निर्धारित की जानी चाहिए।
- All the teachers should look in the mirror and ask what more can they do to improve educational opportunities for their students. A teacher should try to interact with the students. He should focus more on what binds the teacher and the students rather than on what separates them. Believe in the students and hope for a brighter future.

THANK YOU